एम0 ए0 संगीत वादन (तबला)

प्रथम सेमेस्टर — पूर्णांक–100

प्रथम प्रश्न पत्र– भारतीय संगीत का इतिहास

यूनिट–1– प्राचीन, मध्यकालीन तथा आधुनिक भारतीय संगीत के इतिहास का विस्तृत एवं तुलनात्मक अध्ययन।

यूनिट–2– संगीत के ग्रन्थों का अध्ययन–

नाट्यशास्त्र, संगीत रत्नाकर, वृहददेशी, नारदीय शिक्षा।

यूनिट–3– मार्गी एवं देशी ताल।

यूनिट–4– भारतीय संगीत के रचनाकारों एवं ग्रन्थकारों के सांगीतिक योगदान का वृहद अध्ययन अमीर खुसरो, शारंगदेव, महोबल, लोचन, पुण्डरीक बिठुल, रामामात्य ,तानसेन, स्वामी हरिदास, व्यंकटमुखी।

द्वितीय प्रश्नपत्र– ताल परिचय एवं सिद्धांत — **पूर्णांक–100**

यूनिट–1– पाठ्यक्रम के सभी तालों का पूर्ण शास्त्रीय परिचय।

यूनिट–2– निम्नलिखित का परिचय–

कायदा, मुखड़ा, तिहाई, पलटा, चक्रदार, परन, डाल, रेला आदि।

यूनिट–3–लय एवं लयकारी–3/2, 5/4, 4/5, 4/3

यूनिट–4–संगीतकारों का जीवन परिचय व कार्य शैली–
उस्ताद मुन्ने खाँ, पण्डित राम सहाय, पण्डित अनोखे लाल, उस्ताद अल्लादिया खाँ, पण्डित सामता प्रसाद (गुदई महाराज), पण्डित रविशंकर का संगीतिक योगदान।

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर — पूर्णांक–200

मंच प्रदर्शन एवं मौखिकी

1– रूपक ताल, रूद्र ताल, एकताल, धमार ताल तथा सूलताल का पूर्ण वादन– उठान, पेशकार, कायदा, रेला, तिहाई, गत, परन टुकड़ा, चक्रदार, फरमाइशी, कमाली, तिपल्ली, दुपल्ली, चौपल्ली, बेदम चक्रदार, मुखड़ा तथा मोहरा।

2– 11 मात्रा की ताल तथा 9 मात्रा की ताल में– पेराकार, कायदा, रेला, टुकड़ा, चक्करदार, टुकड़ा, गत।

3– विभिन्न घरानों के कायदों का ज्ञान।

4– अपने वाद्य को मिलाने की क्षमता।

5– गायन शैलियों के संगत की क्षमता।

6– हाथ की तैयारी (हाथ पर लयकारी करने का ज्ञान)

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र– सौन्दर्यशास्त्र एवं सांगीतिक विज्ञान पूर्णांक–100

यूनिट–1– सौन्दर्य के सिद्धान्त।

यूनिट–2– रस एवं भारतीय संगीत में उसका स्थान।

यूनिट–3– भारतीय संगीत में छन्द।

यूनिट–4–संगीत रत्नाकर के अनुसार गमक तथा काकु भेद।

द्वितीय प्रश्न पत्र– ताल परिचय एवं सिद्धान्त पूर्णांक–100

यूनिट–1– पाठ्यक्रम के सभी तालों का पूर्ण शास्त्रीय परिचय।

यूनिट–2– ध्रुपद, धमार, विलम्बित ख्याल, द्रुत ख्याल की संगत हेतु बजने वाली तालों का अध्ययन।

यूनिट–3– पाश्चात्य ताल पद्धति।

यनिट–4–संगीत रत्नाकर में वर्णित विभिन्न प्रकार के अवनद्य वाद्य

(क्रियात्मक) **द्वितीय सेमेस्टर**

मंच प्रदर्शन एवं मौखिक **पूर्णांक–200**

1– झूमरा ताल, पंचम सवारी, तिलवाड़ा, लक्ष्मी तथा शिखर ताल में पूर्ण वादन विधि– उठान, पेराकार, कायदा, रेला, तिहाई, गत, परन, टुकड़ा, चक्रदार,फरमाइशी, कमाली, तिपल्ली, दुपल्ली,चौपल्ली, बेदम चक्रदार, मुखड़ा तथा मोहरा।

2– उपर्युक्त किसी एक ताल में तिस्त्र तथा मिश्र जाति की एक गत।

3– विभिन्न घरानों के कायदों का ज्ञान।

4– अपने वाद्य को मिलाने की क्षमता के संगत की क्षमता।

5–उपशास्त्रीय संगीत के संगत की क्षमता।

6–हाथ की तैयारी (हाथ पर लयकारी प्रदर्शन)।

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र– भारतीय तथा पाश्चात्य संगीत **पूर्णांक–100**

यूनिट–1– प्रबन्ध तथा उसके प्रकार।

यूनिट–2– ग्राम तथा मूर्छना।

यूनिट–3– स्टाफ नोटेशन।

यूनिट–4– पाश्चात्य तथा भारतीय ताल वाद्य।

द्वितीय प्रश्न पत्र– तालों का तुलनात्मक अध्ययन **पूर्णांक–100**

यूनिट–1– पाठ्यक्रम के तालों का पूर्ण शास्त्रीय परिचय।

यूनिट–2– तबले की उत्पत्ति का विकास तथा अवनद्य वाद्यों में इसका स्थान।

यूनिट–3– तबला तथा पखावज।

यूनिट–4– वाद्य (तबला) का पूर्ण अध्ययन, इसको मिलाने का ज्ञान।

(क्रियात्मक) **तृतीय सेमेस्टर**

मंच प्रदर्शन एवं मौखिक **पूर्णांक–200**

1– जन, सत्रह मात्रा, लक्ष्मी, रूद्र तथा वसंत ताल में –

उठान, पेशकार, कायदा, रेला, तिहाई, गत, परन, टुकड़ा, चक्रदार, फरमाइशी, कमाली, दुपल्ली, तिपल्ली, चौपल्ली, बेदम चक्रदार, एकहत्थी, मुखड़ा तथा मोहरा।

2– 9 तथा 11 मात्रा ताल में– पेशकार, कायदा, रेला, टुकड़ा व गत।

3– विलम्बित ठेके के वादन का अभ्यास।

4– गायन व वादन के साथ संगत का अभ्यास।

5– हारमोनियम पर नगमें का ज्ञान।

6– पखावज की तालों का ज्ञान।

7– पूर्व पाठ्यक्रम के तालों का ज्ञान।

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र– भारतीय संगीत पद्धति **पूर्णांक–100**

यूनिट–1– दक्षिणी ताल पद्धति।

यूनिट–2– विष्णु नारायण भातखण्डे तथा विष्णु दिगम्बर पलुस्कर संगीत पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन ।

यूनिट–3– भारतीय ताल वाद्य–वर्गीकरण।

यूनिट–4– शास्त्रकारों तथा वाद्यकारों का वृद्ध जीवन परिचय– उस्ताद सिद्धार खां, उस्ताद मोदू खां, उस्ताद बख्शू खां, पण्डित अनोखे लाल,उस्ताद अल्लादिया खां, उस्ताद जाकिर हुसैन, पण्डित निखिल बनर्जी।

द्वितीय प्रश्न पत्र– ताल सिद्धांत **पूर्णांक–100**

यूनिट–1– तबले के विभिन्न घरानों का विस्तृत अध्ययन।

यूनिट–2– पाठ्यक्रम के तालों का पूर्ण शास्त्रीय परिचय।

यूनिट–3– प्राचीन एवं आधुनिक तालों का तुलनात्मक अध्ययन।

यूनिट–4– छन्द तथा उसके प्रकार–

मात्रिक, वर्णिक, मुक्तक तथा ताल व छन्द का सम्बन्ध।

(क्रियात्मक) **चतुर्थ सेमेस्टर**

मंच प्रदर्शन एवं मौखिक **पूर्णांक–200**

1. पश्तो, गजझम्पा, बड़ी सवारी, एकताल, गणेश ताल में–

   उठान, पेशकार, कायदा, रेला, तिहाई, गत, पस, टुकड़ा, चक्रदार, फरमाइशी, कमाली, दुपल्ली, तिपल्ली, चौपल्ली, बेदम चक्रदार, एकहत्थी मुखड़ा तथा मोहरा।

2. प्रथम, द्वितीय, तृतीय सेमेस्टर की तालों में–

   कायदा, रेला, गत, टुकड़ा, परन, चक्रदार।

3. ठुमरी, दादरा, गजल, भजन के संगत की क्षमता।

4. लग्गी– लड़ी की क्षमता (दादरा तथा कहरवा ताल में)।

5. नृत्य के साथ संगत की क्षमता (कथक)।

6. अपने वाद्य को मिलाने का ज्ञान।

7. हारमोनियम पर नगमे का ज्ञान।

संदर्भ ग्रन्थ :

1. क्रमिक पुस्तक मलिका– भाग–1,2,3,4, रचित वी0एन0 भातखण्डे

2. भारतीय संगीत वाद्य– डॉ0 लाल मणि मिश्र

3. भारतीय संगीत का ऐतिहासिक विशलेषण– प्रो0 स्वतन्त्र शर्मा

4. पाश्चात्य स्वरलिपि पद्धति एवं भारतीय संगीत– प्रो0 स्वतन्त्र शर्मा

5. हिन्दी भक्ति काव्य एवं गायन संगीत– डॉ0 इभा श्रद्धेय

6. राग परिचय – भाग– 3,4

7. ताल परिचय– भाग– 3,4– प्रो0 गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव

8. नाट्यशास्त्र– ताल तथा तालवाद्य– डॉ0 इच्छालाल नायर

9. तबला का उद्‌गम, विकास और वादन शैलियां– योगमाया शुक्ल

10. अभिनव गीतांजलि– भाग– 1,2,3,4

11. भारतीय संगीत वैज्ञानिक विश्लेषण– प्रो0 स्वतन्त्र शर्मा

12. घरानेदार गायकी– वामन राव देशपाण्डेय

13. भारतीय संगीत शास्त्र– तुलसी राव देवगन

14. सौन्दर्यशास्त्र– डॉ0 नागेन्द्र

संदर्भ ग्रन्थ:

1. नागेन्द्र– सौन्दर्य शास्त्र

2. एल0के0 सिंह– ध्वनि और संगीत

3. वी0एस0 भातखण्डे– क्रमिक पुस्तक मलिका, भाग–1,2,3,4

4. लालमणि मिश्र– भारतीय संगीत वाद्य

5. प्रो0 स्वतन्त्र शर्मा– भारतीय संगीत का ऐतिहासिक विश्लेषण

6. प्रो0 स्वतन्त्र शर्मा– पाश्चात्य स्वरलिपि पद्धति एवं भारतीय संगीत

7. डॉ0 इभा पाण्डेय– हिन्दी भक्ति काव्य एवं गायन संगीत

8. प्रो0 गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव– ताल परिचय भाग 3,4

9. डॉ0 इच्छालाल नायर– नाट्यशास्त्र– ताल तथा वाद्य

10. योगमााया शुक्ल– तबला का उद्गम, विकास और वादन शैलियां

11. प्रो0 स्वतंत्र शर्मा– भारतीय संगीत वैज्ञानिक विश्लेषण

12. वामन राव देशपाण्डेय– घरानेदार गायकी

13. तुलसी राव देवगन– भारतीय संगीतशास्त्र

14. डॉ0 गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव– राग परिचय भाग 3,4

एम0ए0 (प्रथम सेमेस्टर) हिन्दुस्तानी संगीत (गायन)

प्रायोगिक पाठ्यक्रम

(मन्च प्रदर्शन एवं मौखिकी) पूर्णांक–200

1. राग शुइ सारंग, राग जोग, राग श्याम कल्याण, राग चन्द्र धौस में विलम्बित एवं द्रुत ख्याल, आलाप तान सहित गाने का पूर्ण अभ्यास।
2. राग सूरमल्हार, राग मधमार सारंग, राग हेमंत, राग केदार का संक्षिप्त परिचय तथा आलाप तान के साथ गाने का अभ्यास।
3. उपरोक्त किसी भी राग में ध्रुपद एवं धमार
4. पूर्व के तालों के साथ ताल गतकम्पा एवं रूद्रताल की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित अभ्यास।
5. राग, खमाज, पीलू या भैरवी में उपशास्त्रीय रचनाएँ।
6. बी0ए0 संगीत गायन के पाठ्यक्रम के रागों एवं तालों का ज्ञान।

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र

प्रथम प्रश्न पत्र– राग परिचय एवं सिद्धांत पूर्णांक–100

इकाई प्रथम– पाठ्यक्रम के सभी रागों का सम्पूर्ण परिचय, सम प्रकृति रागों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई द्वितीय– निर्धारित रागों की बंदिशों को स्वरलिपि के माध्यम से लिखने का अभ्यास।

इकाई तृतीय– हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत के रागों तालों एवं गायन शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई चतुर्थ– हदई हस्सू खां, उस्ताद अलााउद्दीन खां, पण्डित सामता प्रसाद (गुदई महाराज), पण्डित रविशंकर का सांगीतिक योगदान।

एम0ए0 (प्रथम सेमेस्टर)

द्वितीय प्रश्नपत्र–ताल परिचय एवं पाश्चात्य संगीत का सामान्य अध्ययन। पूर्णांक–100

इकाई प्रथम– गजकम्पा, रूद्रताल, पंचम सवारी, गणेशताल का पूर्ण परिचय।

इकाई द्वितीय– पाठ्यक्रम में उल्लिखित तालों का ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन इत्यादि लयकारी लिखने का अभ्यास।

इकाई तृतीय–पाश्चात्य संगीत का सामान्य अध्ययन।

पाश्चात्य संगीत की स्वरलिपि पद्धति।

इकाई चतुर्थ–पाश्चात्य संगीत के विविध स्वर सप्तक

पाश्चात्य संगीत के लय तथा मात्रा।

एम0ए0 (द्वितीय सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्नपत्र– भारतीय सौन्दर्यशास्त्र **पूर्णांक–100**

इकाई प्रथम – रस एवं रस के चार सिद्धांत

इकाई द्वितीय – राग और रस

भाव और रस

इकाई तृतीय– संगीत में रस का विनियोग, ललित कलाओं का अन्तः सम्बन्ध।

इकाई चतुर्थ– छंद, लय, ताल का रस से सांगीतिक सम्बन्ध।

द्वितीय प्रश्न पत्र– भारतीय और पाश्चात्य संगीत सिद्धान्त। **पूर्णांक–100**

इकाई प्रथम – संगीत के तीन ग्रन्थों का सिद्धान्त

इकाई द्वितीय – प्रबंध तथा उसके प्रकार

इकाई तृतीय– हार्मनी, मेलोडी

आटोनामी, हेटरोनामी

इकाई चतुर्थ– संगीत के शास्त्रीय ग्रन्थों का अध्ययन।

(क) नारदीय शिक्षा
(ख) संगीत समय सार
(ग) संगीत दर्पण

एम0ए0 (द्वितीय सेमेस्टर) हिन्दुस्तानी संगीत–गायन

प्रायोगिक पाठ्यक्रम–
(मन्च प्रदर्शन एवं मौखिकी) **पूर्णांक–200**

1. राग जोगकौंस, राग गालकौंस, राग पूरिया का कल्याण, राग मारूविक्षग में विलम्बित एवं द्रुत ख्याल आलाप, ताल सहित गाने का पूर्ण–अभ्यास।

2. राग नट भैरव, राग मेघमल्हार, राग हेम कल्याण, राग मियांकी सारंग–आलाप तान सहित छोटे ख्याल का गाने का अभ्यास।

3. उपरोक्त किसी भी राग में ध्रुपद एवं धमार।

4. लक्ष्मी ताल एवं ब्रह्मताल का ठाह, दुगुन तिगुन, चौगुन सहित अभ्यास।

5. राग काफी या राग पहाड़ी में उप शारगीय रचनाएँ भजन।

6. बी0ए0 पाठ्यक्रम के रागों व तालों का ज्ञान।

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र– राग परिचय एवं सिद्धांत **पूर्णांक–100**

इकाई प्रथम– पाठ्यक्रम के सभी रागों का सम्पूर्ण परिचय राब का तुलनात्मक अध्ययन।
इकाई द्वितीय– निर्धारित रागों की बंदिशों को स्वर लिपि में लिखने का अभ्यास।
इकाई तृतीय– कण्ठ साधन (Voice culture)
इकाई चतुर्थ– उस्ताद अब्दुल करीम खां, उस्ताद बड़े गुलाम अली खां, उस्ताद अल्लादिया खां, पण्डित भीमसेन जोशी के जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान की जानकारी।

द्वितीय प्रश्नपत्र– ताल परिचय एवं सिद्धांत **पूर्णांक–100**

इकाई प्रथम – अउाताल, मन्ततताल, पंजाबी ताल, पंचम सवारी ताल, लक्ष्मी ताल एवं शिखर तालों का पूर्ण परिचय।
इकाई द्वितीय – पाठ्यक्रम में उल्लिखित तालों का ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़ इत्यादि की लयकारी लिखने का अभ्यास।
इकाई तृतीय – विभिन्न प्रदेशों का लोक संगीत एवं लोक नृत्य (उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात एवं राजस्थान)।
इकाई चतुर्थ– ताल के दस प्राणों का विस्तृत अध्ययन।

एम0ए0 (तृतीय सेमेस्टर) हिन्दुस्तानी संगीत गायन

प्रायोगिक पाठ्यक्रम(मन्च प्रदर्शन एवं मौखिकी) **पूर्णांक–200**

1. राग अहीर भैरव, राग वैरागी भैरव, विलास खानी तोड़ी, आभोगी का पूर्ण परिचय आलाप–तान सहित गाने बजाने का पूर्ण अभ्यास।

2. राग भूचाल तोड़ी, राग सिंदूरा, राग चारूकेशी, राग सूर मल्हार को आलाप एवं तान सहित किसी भी ताल में गाने का अभ्यास।

3. उपरोक्त किसी भी राग में ध्रुपद एवं धमार।

4. जतताल, दीपचंदी, लक्ष्मीताल एवं शिखर ताल में ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन तथा आड़ लयकारियों का अभ्यास।

5. किन्हीं दो रागों में तरानों का अभ्यास।

6. राग काफी, मिश्र खमाज या भैरवी में उप शास्त्रीय रचनाएँ एवं भजन गाने का अभ्यास।

7. पूर्व–वर्ष के रागों व तालों का ज्ञान।

एम0ए0 (चतुर्थ सेमेस्टर) हिन्दुस्तानी संगीत–गायन

प्रथन प्रश्न पत्र– शास्त्रीय संगीत का इतिहास **पूर्णांक–100**

इकाई प्रथम– राग तत्व विवोध, संगीत मकरचंद, राग तरंगिनी ग्रन्थों का पूर्ण परिचय।

इकाई द्वितीय–विभिन्न प्रकार के प्रबंधकों का विधिवत अध्ययन।
प्रबंध, वस्तु, रूपक, ध्रुपद, धमार, ख्याल, ठुमरी, गप्पा, दादरा, तराना, चतुरंग, त्रिपट, होरी, कजरी, गजल, भजन, कीर्तन।

इकाई तृतीय– राग वर्गीकरण का विस्तृत अध्ययन।

इकाई चतुर्थ– प्राचीन काल से आधुनिक काल तक संगीत के इतिहास का विस्तृत अध्ययन।

द्वितीय प्रश्न पत्र– घरानों का इतिहास पूर्णांक–100

इकाई प्रथम– घराना, घराना का इतिहास।

इकाई द्वितीय– गायन एवं वादन के विविध घरानों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई तृतीय– विविध घरानों के गायक एवं वादकों का परिचय।
(किन्हीं तीन प्रतिनिधि गायक एवं वादक)

इकाई चतुर्थ– रविन्द्र संगीत का संक्षिप्त परिचय।
रविन्द्र संगीत पर शास्त्रीय संगीत का प्रभाव।

एम0ए0 (चतुर्थ सेमेस्टर) हिन्दुस्तानी संगीत–गायन

प्रायोगिक पाठ्यक्रम (मन्च प्रदर्शन एवं मौखिकी) पूर्णांक–200

1. राग कलावती, राग गुर्जरी तोड़ी, राग देवनागरी विलाप, राग माखा में विलम्बित एवं द्रुत रन्थाल आलाप, तान सहित गाने बजाने का पूर्ण अभ्यास।

2. राग भटियार, खंग्लावती, यमनी वितावल, नायकी का वंदिश आलाप तान सहित गाने का अभ्यास।

3. उपरोक्त किसी राग में ध्रुपद एवं धमार।

4. आड़ा ताल, अद्धाताल व पंजाबी ताल का ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन तथा आड़ लयकारियों का अभ्यास।

5. राग भिलोटी, तिलंग एवं राग काफी में उप शास्त्रीय रचनाएँ।

6. किसी भी राग में चतुरंग या तिरवट गाने का अभ्यास।

7. पूर्व के रागों व तालों का ज्ञान।

प्रायोगिक पुस्तकों का विवरण

1. अभिनव गीतांजलि– भाग एक से भाग पाँच तक– लेखक– पण्डित रामाश्रय झा 'रामरंग'

2. संगीतांजलि– भाग एक से भाग पाँच तक –लेखक– पण्डित ओंकार नाथ ठाकुर

3. क्रमिक पुस्तक मासिका– भाग 3 से भाग 5 तक–लेखक– पण्डित नारायण भातखण्डे

4. राग विज्ञान– भाग 1 से भाग 6 तक–लेखक– विनायक राव पटवर्धन

5. मधुर स्वरलिपि संग्रह– भाग 3 से भाग 6 तक–लेखक– प्रो0 हरिचन्द्र श्रीवास्तव

संगीत शास्त्र से संबंधित पुस्तकों की सूची

1. भारतीय संगीत का इतिहास– लेखक– ठाकुर जयदेव सिंह
2. भारतीय संगीत शास्त्र– ग्रन्थ परम्परा : एक अध्ययन–लेखक– प्रो0 लिपिका दास गुप्ता
3. भारतीय संगीत का सौन्दर्य विधान–लेखक– मधुरलता भटनागर
4. नाट्यशास्त्र– खण्ड–एक खण्ड–तीन
   खण्ड–दो खण्ड–चार
   लेखक–भरतमुनि, सम्पादक, बाबू लाल शुक्ल, चौनम्मा
5. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचक–लेखक–डॉ0 अरूण कुमार सेन
6. भारतीय संगीत शास्त्र–लेखक– तुलसी राम देवगन
7. संगीत के घरानों की चर्चा–लेखक–सुशील कुमार चौबे
8. सौन्दर्य शास्त्र के तत्व– लेखक– कुमार विमल
9. भारतीय संगीत एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण–लेखक– स्वतंत्र बाला शर्मा
10. संगीत–विज्ञान एवं गणित–लेखक–डॉ0 तेज सिंह टाक
11. संगीत जिज्ञासा एवं समाधान–लेखक– डॉ0 तेज सिंह टाक
12. हिन्दुस्तानी संगीत शास्त्र– लेखक– भागवतशरण शर्मा
13. नाट्यशास्त्र का इतिहास– डॉ0 पारस नाथ द्विवेदी, प्रकाशक– चौखम्बा सुरभारती